भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

प्रश्न बैंक : कक्षा-दसवीं पाठ - **कारतूस** लेखक - हबीब तनवीर

1. कर्नल कालिंज का ख़ेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?

उत्तर: कर्नल कालिंज का ख़ेमा जंगल में वज़ीर अली पर नज़र रखने और उसे गिरफ़्तार करने के लिए लगा हुआ था। वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का क़त्ल कर दिया था और वहाँ से भाग गया था। वह अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ संपूर्ण भारत में बग़ावत की आग फैला रहा था।

2. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?

उत्तर: वज़ीर अली को पकड़ने के लिए सिपाही जंगल में कई हफ़्तों से ख़ेमा डाले हुए थे। वह भूत की तरह गायब हो जाता था, हमेशा सिपाहियों की आँखों में धूल झोंकने में कामयाब हो जाता था, उनके हाथ नहीं आता था। इसलिए उससे सिपाही तंग आ चुके थे।

3. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा?

उत्तर: सवार सरपट घोड़ा दौड़ाए ऐसे धूल उड़ाते चला आ रहा था मानो पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो। वह सीधा कर्नल के ख़ेमे की तरफ़ चला आ रहा था। कर्नल को यह आशंका थी कि कहीं सवार कोई गड़बड़ न कर दे। इसलिए उसने सवार पर नज़र रखने के लिए कहा। वह उसकी गतिविधियों पर नज़र रखना चाहता था।

4. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है?

उत्तर: सवार स्वयं वज़ीर अली था। वह किसी भी हालत में अपने आपको अंग्रेज़ों के हाथों गिरफ़्तार नहीं करवाना चाहता था। वह अब तक बड़ी आसानी से अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंकता आ रहा था। वह अंग्रेज़ों के मन में अपने लिए खौफ़ पैदा करना चाहता था, उनसे अपना लोहा मनवाना चाहता था। इसलिए उसने कहा कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही है और उसे पकड़ना बहुत मुश्किल है।

5. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

उत्तर: वज़ीर अली रॉबिनहुड की तरह साहसी, हिम्मतवाला और बहादुर था। वह भी रॉबिनहुड की तरह किसी को भी चकमा देकर भाग जाता था। वह अंग्रेज़ी सरकार की पकड़ में नहीं आ रहा था। कंपनी के वकील को उसने मार डाला था। उसकी बहादुरी के अफ़साने सुनकर ही कर्नल को रॉबिनहुड की याद आ जाती थी। वज़ीर अली अवध से अंग्रेज़ों को उखाड़ फेंकने में लगभग कामयाब हो गया था।

6. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

उत्तर: सआदत अली अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का भाई था, लेकिन अपने भाई का दुश्मन भी था। उसका सपना था कि वह निःसंतान आसिफ़उद्दौला के बाद अवध का नवाब बन जाए। आसिफ़उद्दौला का कोई वारिस नहीं होता तो सआदत अली गद्दी पर बैठ सकता था। लेकिन वज़ीर अली के जन्म लेने से उसकी इस उम्मीद पर पानी फिर गया था। इसलिए वज़ीर अली की पैदाइश को वह अपनी मौत समझ रहा था।

7. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मक़सद था?

उत्तर: वज़ीर अली के पैदा होते ही सआदत अली के सारे सपने टूट गए। उसने वज़ीर अली को गद्दी से हटाने के लिए अंग्रेज़ों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा। स्वयं अंग्रेज़ भी वज़ीर अली को गद्दी से हटाना चाहते थे क्योंकि

वज़ीर अली अंग्रेज़ों का कट्टर शत्रु था। दूसरी तरफ़ सआदत अली आराम से अंग्रेज़ों के हाथ की कठपुतली बन गया था। उसने अवध का नवाब बनते ही आधा अवध तथा दस लाख रुपये कंपनी को दे दिए। इसलिए अप्रत्यक्ष रूप से अवध पर कंपनी का आधिपत्य स्थापित करने के उद्देश्य से कर्नल ने उसे अवध के तख़्त पर बिठाया था।

8. कंपनी के वकील का क़त्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?

उत्तर: कंपनी के वकील का क़त्ल करने के बाद वज़ीर अली आज़मगढ़ की तरफ भागा। वहाँ आज़मगढ़ के शासकों ने उसे घाघरा तक भागने में मदद की। फिर वह पास के जंगलों में छुप गया। इस तरह वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त की।

9. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?

उत्तर: वह सवार बड़ी ही निडरता से कर्नल के पास आया और कारतूस माँग कर चला गया। सवार के जाने के बाद कर्नल का आश्चर्यचकित हो जाना निश्चित ही था क्योंकि जिसकी तलाश में कर्नल दर-दर भटक रहा था, वह न केवल उसके समक्ष उपस्थित हुआ, बल्कि उससे वार्तालाप भी किया और कारतूस भी ले गया। ऐसे निर्भीक शत्रु से कर्नल भी प्रभावित हो गया था। वह और उसके सिपाही तो वज़ीर अली की जाँबाज़ी की चर्चा ही कर रहे थे कि वह अपनी वीरता का प्रत्यक्ष प्रमाण भी दे गया। जाते-जाते जब उसने अपना परिचय वज़ीर अली के रूप में दिया तो कर्नल को उसके दुस्साहस पर ताज्जुब हुआ। यह उसकी वीरता की पराकाष्ठा थी। कर्नल को आश्चर्य में डालने के लिए यह घटना पर्याप्त थी। इसलिए कर्नल हक्का-बक्का रह गया।

10. लेफ़्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के ख़िलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?

उत्तर: कर्नल ने लेफ़्टीनेंट को बताया कि किस तरह से विभिन्न प्रांतों के नवाबों ने अफ़गानिस्तान के शासक को अंग्रेज़ों पर हमला करने के लिए निमंत्रण दिया था। इससे पता चला कि भारत के एक बड़े हिस्से में अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ भावना भड़की हुई थी। इसलिए लेफ्टीनेंट को ऐसा लगा कि कंपनी के ख़िलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

11. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का क़त्ल क्यों किया?

उत्तर: वज़ीर अली को बनारस पहुँचाने के बाद अंग्रेज़ों ने उसे तीन लाख रुपए सालाना वज़ीफ़ा देना शुरू किया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने वज़ीर अली को कलकत्ता बुलवाया। इससे वज़ीर अली नाराज़ था। उसने यह शिकायत कंपनी के वकील से की तो कंपनी के वकील ने उसे बुरा-भला कहा। इससे वज़ीर अली के स्वाभिमान को गहरा धक्का लगा। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ नफ़रत कूट-कूट कर भरी थी। इस घटना ने उसके क्रोध को और भड़का दिया। परिणामस्वरूप उसने खंजर से कंपनी के वकील का काम तमाम कर दिया।

12. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर: वस्तुतः सवार स्वयं वज़ीर अली था। वह बड़े आराम से कर्नल के पास गया। फिर उसने कर्नल से वहाँ छावनी लगाने का कारण पूछा। उसने बड़ी बुद्धिमानी से बात करते हुए कर्नल को यह यक़ीन दिला दिया कि वह वज़ीर अली का दुश्मन है और वह भी वज़ीर अली को गिरफ़्तार करना चाहता है। इस काम के लिए सवार ने कर्नल से कारतूस लेने की इच्छा प्रकट की। सवार को वज़ीर अली का शत्रु मानकर कर्नल ने आसानी से सवार को कारतूस सौंप दिए।

13. वज़ीर अली की चारित्रिक विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

उत्तर: (i) **जाँबाज़ योद्धा –** वज़ीर अली जाँबाज़ सिपाही था । वह मौत से भी नहीं डरता था । उसके साथ मुट्ठी भर लोग ही थे। फिर भी वह अंग्रेज़ों को कड़ी टक्कर दे रहा था। हद तो तब हो गई, जब वह अकेला कर्नल के ख़ेमे में जाकर कर्नल से कारतूस भी ले आया और ख़ेमे से बाहर जाते हुए अपना नाम तक बता दिया । इससे पता चलता है कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

(ii) **नीति-निपुण –** वज़ीर अली अंग्रेज़ों को चकमा देने में कामयाब रहता है । वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत देता है । वह किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहता है । वह अफ़गानी हमले तक अपनी ताक़त बढ़ाना चाहता है ।

(iii) **देशभक्त –** वज़ीर अली को अंग्रेज़ों की ग़ुलामी स्वीकार नहीं थी । वह हिंदुस्तान से अंग्रेज़ों को भगाने के प्रयास में जुटा रहा ।

(iv) **स्वाभिमानी –** वज़ीर अली गवर्नर जनरल के कलकत्ता तलब करने पर उनकी शिकायत लेकर कंपनी के वकील के पास गया । कंपनी के वकील ने शिकायत की परवाह किए बग़ैर उसे ही भला-बुरा सुना दिया । वज़ीर अली ने तुरंत खंजर निकालकर वकील का क़त्ल कर दिया । अपने विरुद्ध भला-बुरा न सुनना उसके इसी स्वाभिमानी स्वभाव को दर्शाता है ।

14. **आशय स्पष्ट कीजिए –**

(क) मुट्ठीभर आदमी और ये दमख़म ।

उत्तर: कर्नल कई सालों से अपनी पूरी फ़ौज लिए वज़ीर अली का पीछा कर रहा था। फिर भी वज़ीर अली उसके हाथ नहीं आ रहा था। उसके पास केवल चंद जाँबाज़ सिपाही थे । वह कर्नल की आँखों में धूल झोंककर जंगलों में फिर रहा था । इसलिए कर्नल ने कहा, 'मुट्ठीभर आदमी और ये दमख़म ।' वह एक तरह से वज़ीर अली की बहादुरी से बहुत प्रभावित था।

(ख) गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

उत्तर: लेफ़्टीनेंट ने जब बहुत ज़्यादा धूल उड़ते देखी तो उसे लगा कि कोई बड़ी फ़ौज आ रही होगी। लेकिन ग़ौर से देखने पर पता चला कि एक अकेला सवार आ रहा था। सवार का घोड़ा तेज़ी से टाप भर रहा था, इसलिए अत्यधिक धूल उड़ा रहा था। सवार बेफ़िक्र होकर सरपट घोड़ा दौड़ाए सीधा कर्नल के ख़ेमे की तरफ़ चला आ रहा था ।